

प्रेषक,

पी०सी० शर्मा,

प्रमुख सचिव,

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलपति,

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय,

हरिद्वार ।

संस्कृत शिक्षा अनुभाग-4

देहरादून दिनांक 15 जून, 2010

विषय : उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के शिक्षकों एवं समकक्ष संवर्ग को छठे वेतन आयोग की संस्तुति के आधार पर भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में यू०जी०सी० के अनुरूप पदनाम परिवर्तन एवं वेतनमानों को दिनांक 01-01-2006 से पुनरीक्षित किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि श्री राज्यपाल महोदय उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 (उत्तराखण्ड में भी यथाप्रवृत्त) द्वारा नियंत्रित संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति एवं यू०जी०सी० वेतनधारी शैक्षिक को छठे वेतन आयोग की संस्तुतियों के आधार पर संलग्नक-2 पर उल्लिखित तालिका के स्तम्भ-3 के पूर्व वेतनमानों में स्तम्भ-4 के अनुसार पदनाम देते हुए स्तम्भ-6 के अनुसार वेतन बैंड तथा स्तम्भ-7 के अनुसार ग्रेड पे के अनुसार पुनरीक्षित वेतनमानों (विशेष भत्ते को छोड़कर) को दिनांक 01 जनवरी 2006 से लागू करने के आदेश देते हैं ।

2- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या : 1-32/ 2006-यू-11/यू-1 (i) दिनांक 31, दिसम्बर 2008 की धारा 8 की उपधारा (a) से (f) में प्रस्तर (f) की अधिवर्षिता आयु के प्राविधान एवं अन्य भत्ते से राज्य सरकार के नियम लागू होंगे तथा अन्य उल्लिखित सभी Terms & Condition को स्वीकार करते हुए भारत सरकार की गाइड लाइन्स से आच्छादित होने वाले कुलपति एवं यू०जी०सी० वेतनधारी शैक्षिक पदों के पुनरीक्षित वेतनमान दिनांक 1-1-2006 को कार्यरत/भरे पदों के आधार पर 1-1-2006 से 31-3-2010 तक के अतिरिक्त व्ययभार का 80 प्रतिशत भारत सरकार द्वारा समायोजित किया जायेगा शेष 20 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा ।

3- दिनांक 1-1-2006 के उपरांत भरे गए पदों तथा दिनांक 1-4-2010 के उपरान्त सम्पूर्ण सभी पदों का व्ययभार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा ।

4- वेतनमानों के पुनरीक्षण के फलस्वरूप दिनांक 01, जनवरी 2006 से 30 सितम्बर 2009 तक की अवधि के लिए देय अवशेष की धनराशि अध्यापकों के भविष्य निधि/अंशदायी

भविष्य निधि में जमा की जाएगी । जिन अध्यापकों का भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि खाते न खुलें हों और जो अंशदान पेंशन योजना के सदस्य हों उनका देय बकाया धनराशि से आवश्यक अंशदान तथा आयकर काटकर शेष धनराशि को राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में दी जाएगी । आयकर की परिधि में आने वाले शिक्षकों के सम्बन्ध में वर्णित अवशेषों का आंकलन कर नियमानुसार आयकर के स्रोत पर कटौती करने के उपरांत यदि (1) आयकर 20 प्रतिशत या उससे अधिक देय है तो समस्त आयकर कटौती के उपरांत अवशेषों को शिक्षकों के भविष्य निधि खाते में जमा की जायेगी, अन्यथा (2) अवशेष पर देय आयकर के 20 प्रतिशत से कम होने की दशा में वास्तविक आयकर की कटौती के उपरांत समस्त अवशेष धनराशि शिक्षक के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी ।

5- पुनरीक्षित वेतनमान निम्न प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत किए जायेंगे :-

(क) पुनरीक्षित वेतनमानों के कारण भारत सरकार की उक्त योजना के आधार पर दिनांक 1-1-2006 को कार्यरत/भरे पदों के अनुसार दिनांक 1-1-2006 से 31-3-2010 तक कुल व्ययभार का 80 प्रतिशत भारत सरकार तथा 20 प्रतिशत व्ययभार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त दिनांक 1-1-2006 के उपरांत भरे गए पदों का तथा दिनांक 1-4-2010 के पश्चात् सम्पूर्ण व्ययभार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

(ख) उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के शैक्षिक वर्ग को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के उक्त पत्र दिनांक 31, दिसम्बर 2008 के प्रस्तर-2 से 6 में उल्लिखित पदनाम एवं वेतनमान (विशेष भत्ते को छोड़कर) बशर्ते पुनरीक्षित वेतनमानों के समकक्ष पुराने वेतनमान स्वीकृत हों, तथा उक्त दिशा निर्देशों में अन्य सेवा शर्तों के प्रस्तर 8 (f) में अधिवर्षिता की आयु के प्राविधान एवं अन्य भर्तों में राज्य सरकार के नियम लागू होंगे, को छोड़ते हुए तथा शेष प्राविधान को स्वीकार करते हुए वेतनमान यू0जी0सी0 की उक्त के अलावा अन्य सभी नियम, शर्तें तथा समस्त दिशा-निर्देश मान्य होंगे।

(ग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या : 1-32/2006-यू-11/यू-1 (i) दिनांक 31, दिसम्बर 2008 के प्रस्तर-8 (p),(v),(g) में उल्लिखित शर्तें भी मान्य होंगी।

(घ) उक्त पुनरीक्षित वेतनमान के साथ उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय में विशेष वेतन भत्ता देय नहीं होगा ।

6- पुनरीक्षित वेतनमानों पर दिनांक 1-1-2006 के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा समकक्ष पदों/वेतनमानों के लिए समय-2 पर प्रसारित शासनादेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई भत्ता देय होगा और इसके भुगतान के पूर्व अपुनरीक्षित वेतनमानों में भुगतानित मंहगाई भत्ते का समायोजन करके ही अवशेष धनराशि भुगतान की जायेगी।

7- नवीन वेतनमानों को कार्यान्वित करने के लिए अतिरिक्त धनराशि की गणना का विवरण विश्वविद्यालय के अध्यापकों के मामले में सम्बन्धित वित्त अधिकारी द्वारा तैयार किया



जाएगा और उसकी सूचना शासन/यू0जी0सी0 को यथा शीघ्र भेजी जाएगी, ताकि उसके अनुसार वित्तीय स्वीकृतियाँ जारी की जा सकें ।

8- दिनांक 01, जनवरी 2006 से लागू पुनरीक्षित वेतनमानों में वेतन निर्धारण हेतु शिक्षकों को निम्नानुसार विकल्प देना होगा :-

- (1) प्रत्येक शिक्षक जो दिनांक 01 जनवरी 2006 को पूर्णकालिक सेवा में था का वेतन निर्धारण इन आदेशों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा ।
- (2) प्रत्येक शिक्षक वर्तमान वेतनमान में अपनी अगली या किसी अनुवर्ती वेतनवृद्धि की तिथि तक, अथवा उसके पद रिक्त करने या उस वेतनमान में वेतन आहरण करना छोड़ने तक वर्तमान वेतनमान में वेतन प्राप्त करने का विकल्प चुन सकता है ।
- (3) सम्बन्धित शिक्षकों को विकल्प का चयन लिखित रूप से संलग्नक-1 पर उपलब्ध "विकल्प पत्र का प्रारूप" में देना होगा और यह विकल्प सम्बन्धित शिक्षक के नियुक्ति प्राधिकारी/वेतन पर्ची जारी करने वाले अधिकारी, जो भी सम्बन्धित शिक्षकों की सेवा पुस्तिका रखता हो, को इस शासनादेश के जारी होने की तिथि से 90 दिन के अन्दर पहुँच जाना चाहिए ।
- (4) उपर्युक्त भौति दिये गये विकल्प की उक्त सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्राप्ति स्वीकार की जाएगी ।
- (5) अगर सम्बन्धित शिक्षक का लिखित विकल्प उपर्युक्त प्रस्तर (3) के अनुसार निर्धारित तिथि के अन्दर नहीं प्राप्त होता है तो यह मान लिया जायेगा कि उसे पुनरीक्षित वेतनमान स्वीकार्य है और उसका दिनांक 1-1-2006 से पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन निर्धारित कर दिया जायेगा ।
- (6) एक बार जो विकल्प दे दिया जायेगा उसे ही अंतिम माना जायेगा ।
- (7) जिन शिक्षकों की सेवायें दिनांक 1-1-2006 को या उसके बाद समाप्त कर दी गयी हों तो स्वीकृत पदों की समाप्ति के फलस्वरूप सेवा मुक्त कर दिये गये हों, सेवा त्याग (इस्तीफा) अनुशासनहीनता के कारण सेवामुक्त या बरखास्त किये गये हों, को भी विकल्प की उक्त सुविधा अनुमन्य होगी ।
- (8) जो शिक्षक दिनांक 1-1-2006 को या उसके बाद दिवंगत हो गये और इस कारण निर्धारित समय सीमा के अन्दर पुनरीक्षित वेतनमान के लिए चयन का विकल्प नहीं दे सकें, के मामले में 1-1-2006 या उसके बाद की किसी भी तिथि से, जो भी उसके आश्रितों के लिए लाभप्रद हो, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन निर्धारण सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा किया जायेगा और बकाया राशि के भुगतान के लिए तत्सम्बन्धी उचित कार्यवाही की जायेगी ।

9- उक्त के अतिरिक्त मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है, कि वेतनमान पुनरीक्षण के फलस्वरूप एरियर का 40 प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2010-11 में एवं अवशेष 60 प्रतिशत वित्तीय

वर्ष 2011-12 में देय आयकर तथा नयी पेंशन योजना में अंशदान को काटकर कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि खातों में जमा किया जाएगा, जिसे आगामी तीन वर्षों तक नहीं निकाला जा सकेगा, केवल सेवानिवृत्त या मृत या सेवा छोड़ चुके कार्मिकों पर उक्त व्यवस्था लागू नहीं होगी, उनको एरियर का भुगतान नकद किया जायेगा । दिनांक 1-1-2006 या इसके बाद नियुक्त समस्त पदधारकों को एरियर का भुगतान प्रस्तर-11 के अनुसार 03 वर्षों में क्रमशः 40 : 30 : 30 प्रतिशत के अनुसार देय आयकर तथा नई पेंशन योजना के अन्तर्गत देय अंशदान काटकर किया जायेगा ।

10- विश्वविद्यालय के अध्यापकों को पुनरीक्षित वेतनमानों में मकान किराया भत्ता एवं अन्य अनुमन्य भत्ते राज्य सरकार द्वारा वेतन समिति की संस्तुति के अनुसार अनुमन्य दरों पर जिस दिनांक से राज्य कर्मचारियों को अनुमन्य किये गये हैं, उसी तिथि तथा दरों पर ही से देय होंगे ।

11- मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या : 1-32/2006-यू-11/यू-1 (प) दिनांक 31, दिसम्बर 2008 के प्रस्तर-3 (11) के अनुसार अधीनस्थ राज्य के उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति का वेतनमान जो पूर्व में रुपये 25,000/- प्रतिमाह नियत था, को पुनरीक्षित करते हुए रुपये 75,000/- प्रतिमाह नियत किया जाता है, परन्तु विशेष वेतन भत्ता देय नहीं होगा ।

12- वार्षिक वेतनवृद्धि के सम्बन्ध में राज्य सरकार के शासनादेशों की भाँति प्रथम वार्षिक वेतनवृद्धि जनवरी व जुलाई में ही देय होगी, लेकिन नियुक्ति/प्रोन्नति/उच्चीकरण की तिथि से कम से कम छः माह का समय पूरा होने पर प्रथम वेतनवृद्धि देय होगी ।

13- इन वेतनमानों में दी गयी योजना के अनुसार कैरियर एडवांसमेंट, पी0एच0डी0/एम0फिल0 के लिए प्रोत्साहन आदि के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 (उत्तराखण्ड में भी यथाप्रवृत्त) के अधीन बनाये गये परिनियमों, अध्यादेशों, नियमों, विनियमों, आदि में विश्वविद्यालय द्वारा इस आदेश के निर्गमन की तिथि के तीन माह के भीतर आवश्यक प्राविधान कर लिये जायेंगे ।

14- उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार में वर्तमान पद एवं वेतनमानों में संशोधनोपरांत प्रस्तावित पदनाम व वेतनमान का विवरण संलग्नक-2 पर प्रस्तुत है ।

15. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-4002/XXVII (7) /2010 दिनांक 14 जून 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं ।  
संलग्नक-उपरोक्तानुसार ।

भवदीय,  
(पी0सी0 शर्मा )  
प्रमुख सचिव ।

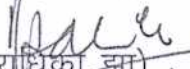
संख्या / ५६ /XXIV-4/2010 तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून ।

2. उप सचिव, मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन,  
नई दिल्ली ।

3. सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, बहादुर शाह जफर मार्ग नई दिल्ली।
4. अपर सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
5. वित्त (वे0आ0-सा0नि0) अनुभाग-7
6. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, स्थानीय निधि लेखा, उत्तराखण्ड लक्ष्मी रोड़ देहरादून।
- ✓ 8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को 200 प्रतियां प्रकाशनार्थ।
10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
(राधिका झा)  
अपर सचिव।